तुम मुझे यु जला ना पाओगे

तुम मुझे यु जला ना पाओगे,
जली लंका मेरी जला मैं भी,
एक दिन तुम भी जलाये जाओगे,
तुम मुझे यु जला ना पाओगे,

मैंने सीता हरी हरी के लीये,
रक्षक कुल की बेहतरी के लीये,
मैंने प्रभु को रुलाया वन वन में,
तुम प्रभु को रुला न पाउगे,
जली लंका मेरी जला मैं भी.....

आज रावण से राम डरते है,
लगन ही सीता हरण करते है,
आज घर घर में छुपे है रावण,
आग किस किस को भला लगाओ गे,
तुम मुझे यु जला ना पाओगे,
जली लंका मेरी जला मैं भी,

सीता हरना तो एक बहाना था,
मुझको दर्शन प्रभु का पाना था,
मैंने मर कर के पाया प्रभु जी को.,
जिन्दा रह कर जो तुम न पाउगे
तुम मुझे यु जला ना पाओगे....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5030/title/tum-mujhe-yu-jala-na-pauge-jali-lanka-meri-jala-main-bhi-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |